वी.यू. में फार्मर फर्स्ट परियोजनांतर्गत उन्नत धान का प्रजनक बीज एवं जैव उर्वरकों का तकनीकी हस्तान्तरण कार्यक्रम सोशल डिस्टेसिंग के साथ संपन्न

जबलपुर। आज दिनांक 16 जून 2021 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंतर्गत उन्नत धान के प्रजनक बीज–JR-206 के साथ जैव उर्वरकों का वितरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, कुलपति जी, के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। ना.दे.प.चि.वि.वि. जबलपुर द्वारा फार्मर फर्स्ट परियोजना (भा.कृ.अनु.परिषद् द्वारा पोषित) के अंतर्गत अंग्रीकृत 6 गाँवों क्रमशः पड़रिया, सिलुआ, घाना, छत्तरपुर, कैलवास, देवरी के 25 महिला व पुरूष कृषकों को धान के उन्नत किस्म के प्रजनक बीज–JR-206 के साथ जैव उर्वरकोंः बी.जी.ए., पी.एस.बी. कल्चर एवं स्यूड़ोमोनास का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा व नोडल अधिकारी द्वारा फार्मर फर्स्ट परियोजनार्तगत विभिन्न संचालित विस्तार गतिविधियों उन्नत एकीकृत प्रणाली के तहत खरीफ मौसम में धान एवं रबी मौसम में गेहूँ की फसल उत्पादन, पशु नस्ल सुधार हेतु उन्नत सिरोही/बरबरी/ब्लैक बंगाल, बकरी पालन, नर्मदा निधि,एवं कड़कनाथ मुर्गी की नस्ल इकाईयों, मृदा परीक्षण कार्ड, कृषि की लागत में कमी लाने हेतु केंचुआ खाद उत्पादन व उपयोग एवं अजोला उत्पादन विभिन्न कार्यक्रमों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुये, कृषकों को ज्ञानवर्धक कृषि साहित्य सामग्रीयाँ एवं पशुधन पंचाग–2021 सहित तकनीकी जानकारीयों से अवगत कराया।

उप प्रमुख अन्वेषक कृषि वैज्ञानिक डॉ.एस.बी. अग्रवाल ने खरीफ मौंसम में उन्नत धान के प्रजनन बीज जे.आर. 206 एवं जैव उर्वरकों आदि के द्वारा विकसित तकनीकियों के माध्यम सें धान के उत्पादन में वृद्वि पर प्रकाश डालते हुयें, कृषकों से जैविक आधारित समेकित कृषि प्रणाली के माध्यम सें कृषकों का सशक्तीकरण एवं आय वृद्धि हेतु तकनीकी सुझाव दिये गये। उप प्रमुख अन्वेषक कृषि वैज्ञानिक डॉ. शेखर सिंह बघेल ने जैविक खेती पर कृषि उपयोगी सुझाव दियें, साथ ही पराली न जलाने के लिये विशेष रूप से सलाह दी। इस कार्यक्रम श्रंखला में श्री अशोक केवट, ग्रामःदेवरी निवारी प्रगतिशील कृषक ने अपने अनुभव साझा किये।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रारंभ में फार्मर फर्स्ट परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ. ए.के. गौर, एवं डॉ. हरि आर द्वारा कृषकों हेतु चलाई जा रही महत्वपूर्ण योजनाओं की उपयोगिता व कृषकों हेतु लाभकारी जानकारी बताई। अवसर पर डॉ. अंकुर खरे, उप प्रमुख अन्वेषक, श्री रौनक मिश्रा, श्री अशीष यादव व श्री विजय चौकसे, फील्ड असिस्टेंट, फार्मर फर्स्ट परियोजना, बालक दास राजपूत एवं सुमित बिरहा के साथ–साथ कृषकों की उपस्थिति व सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम संचालन डॉ. अनिल कुमार गौर, प्रमुख अन्वेषण एवं आभार प्रदर्शन श्री देवेश उपाध्याय वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता, फार्मर फर्स्ट परियोजना ना.दे.प.चि.वि.वि.जबलपुर द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.)